an>

Title: Need to provide minimum wages to the Anganwadi and Asha workers in Uttar Pradesh.

श्री कौशल किशोर (मोहनलालगंज) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार और सदन का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना आंगनबाड़ी कार्यकत्री व उनकी सहायिकाएं क्रमशः तीन हज़ार व 15 सौ रूपये प्रति माह की मानदेय पर काम कर रही हैं। इसी तरह आशा बहुएं, शिक्षा प्रेरक, सरकारी स्कूलों में खाना बनाने वाले रसोइए, चौकीदार, ग्राम रोज़गार सेवक, किसान मित्र, जानवरों का इलाज करने वाले, पैरावेट् ं, स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षक न्यूनतम मज़दूरी से कम रूपये पर काम करते चले आ रहे हैं। होमगार्ड्स व पीआरडी के जवानों का भी न्यूनतम वेतनमान अभी तक तय नहीं किया गया है। इसी तरह सभी विभागों को मिलाकर अकेले उत्तर प्रदेश में लगभग 17 लाख लोग संविदाकर्मी के रूप में काम कर रहे हैं। इसके अलावा विकलाँगें, वृद्धों, विधवाओं को भी मात्र 300 रूपए प्रतिमाह पेंशन दी जाती है।

महोदय, हम आपके माध्यम से सरकार से माँग करते हैं कि उत्तर प्रदेश की सरकार को निर्देशित करके आशा बहुओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, शिक्षा सेवकों, रोजगार सेवकों, स्कूलों में खाना बनाने वाली रसोईया, किसान मित्रों, जानवरों का इलाज करने वाले पैरावेट्स व शिक्षा अनुदेशकों को राज्य कर्मचारी घोषित किया जाए। होमगार्ड्स तथा पीआरडी के जवानों को कम से कम 500 रूपया प्रतिदिन के हिसाब से भुगतान किया जाए व स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों के 80 हजार शिक्षकों का न्यूनतम वेतनमान लागू किया जाए। विकलाँगें, वृद्धों, विधवाओं को जो 300 रूपए प्रतिमाह पेंशन मिलती है, उनकी पेंशन बढ़ाकर 1500 रूपए प्रतिमाह की जाए। यह हमारी सरकार से माँग है।

HON. CHAIRPERSON: S/Shri Chandra Prakash Joshi, Bhairon Prasad Mishra are allowed to associate with the issue raised by Shri Kaushal Kishore.